"अनुसूचित जन जाति के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2005-2006

शोधकर्ता :
रमेश पारगी
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2005:2

अनुसूचित जन जाति के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

D - 227

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

2005–2006

निर्देशक :
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता :
रमेश पारगी
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ***रमेश पारगी*** *क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई. आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध विषय प्रबंध* 'अनुसूचित जन जाति बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन'' *मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।*

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2005–2006 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 3.4.06

निर्देशक
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध "अनुसूचित जनजाति के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन" की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध आपके द्वारा शोधकार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. एम.सेन गुप्त क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल प्रो. जे.वी. जादव अधिष्ठाता एवं डॉ. एस.के. गुप्ता विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकर्ता की संपन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं डॉ. खेमराज शर्मा, प्रो. बाल्मीकी, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण, डॉ. इंद्रायणी भादूरी, डॉ. के.के. खरे, डॉ. रत्नमाला आर्या, प्रो. संजय पंडागले, डॉ. सुनीती खरे एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय समय पर उचित मार्गदर्शन देकर मेरे शोध कार्य में सहयोग दिया है।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग दिया।

मैं अपनी माता आदरणीय श्रीमती सोमली बेन पारगी तथा पिता आदरणीय श्री कालूभाई पारगी तथा भाई–बहनों एवं भतीजों तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन मन धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

मैं मेरे करीबी मित्र तथा सहपाठी श्री सुनील, गुलाबसिंग, शैलेष, विराग, भूपेन्द्र, अतुल, संतोष तथा सहपाठियों के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य के दौरान प्रदत्त संकलन तथा अन्य सहयोग के लिये आभारी हूँ।

अन्त में मैं शोध कार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोध कार्य में जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी रहूँगा।

स्थान : भोपाल
दिनांक 31/4/2006

रमेश पारगी
एम.एड. छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

मुख पृष्ठ

प्रमाण पत्र

प्राक्कथन

प्रथम अध्याय : शोध परिचय 1–12

1. प्रस्तावना
1.1 जनजाति या आदिवासी का अर्थ एवं परिभाषा
1.2 आदिवासी की प्रमुख विशेषताएं
1.3 गुजरात में अनुसूचित जनजाति
1.4 आदिवासियों का सामाजिक जीवन
1.5 आदिवासियों के लिए संवैधानिक प्रावधान
1.6 कोठारी कमीशन (1964–66) में आदिवासी शिक्षा
1.7 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में आदिवासी शिक्षा
1.8 समस्या की आवश्यकता
1.9 उद्देश्य
1.10 परिकल्पनाएँ
1.11 अनुसंधान की मर्यादा

द्वितीय अध्याय : संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन 13–19

2. प्रस्तावना
2.1 विदेश में किये गये अध्ययन
2.2 देश में किये गये अध्ययन

तृतीय अध्याय : शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया 20–25

3.0 प्रस्तावना
3.1 शोध प्रक्रिया
3.2 न्यादर्श का चयन
3.3 शोध में प्रयुक्त चर
3.4 शोध में प्रयुक्त उपकरण
3.5 प्रदत्तों का संकलन
3.6 उपकरण के अंकन की विधि
3.7 प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

चतुर्थ अध्याय : प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 26–33

4. प्रस्तावना
4.1 नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.2 संरक्षण के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.3 दंड के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.4 अनुपालन के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.5 सामाजिक विलगन के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

4.6 पुरस्कार के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.7 पालन पोषण के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.8 विशेषाधिकार से वंचितता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.9 नामंजूरी के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.10 उन्मुक्तता के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण
4.11 उपस्थिति के परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना का परीक्षण

पंचम अध्याय : शोधसार, निष्कर्ष एवं सुझाव 34–39

5. प्रस्तावना
5.1 प्रस्तुत अध्ययन
5.2 समस्या कथन
5.3 संक्षेपिका
5.4 निष्कर्ष एवं व्याख्या
5.5 सुझाव
5.6 भावी शोध हेतु सुझाव

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट

तालिका सूची

तालिका क्र.	विवरण	पृष्ठ संख्या
4.1.1	नियंत्रण के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.2.1	संरक्षण के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.3.1	दंड के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.4.1	अनुपालन के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.5.1	सामाजिक विलगन के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.6.1	पुरस्कार के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.7.1	पालन पोषण के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.8.1	विशेषाधिकार से वंचितता के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.9.1	नामंजूरी के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.10.1	उन्मुक्तता के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'एफ' मूल्य की सार्थकता।	
4.11.1	उपस्थिति के प्रभाव से छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि को दर्शाने वाली 'टी' मूल्य की सार्थकता।	